



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 109]

मई विलो, बृहस्पतिवार, मार्च 25, 1982/चैत्र 4, 1904

No. 109] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 25, 1982/CHAITRA 4, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

अधिसूचनाएँ

नई विलो, 25 मार्च, 1982

का०आ० 167(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हा. गया है कि फावेरी शुरूर पृष्ठ केमिकल्स लिमिटेड, जो तमिलनाडु गोदर के तिरुचिरापल्ली जिले में पेट्टायैवटालै ऐ में चंगी का विनियोग कर रहा है, जो अधिसूचित चंगी उपकरण है, के सबंध में, चंगी उद्योग में उत्पादन का मात्रा में कमी न आने देने का दृष्टिकोण से, गर्वगावारण के हित में देणा करना आवश्यक है।

अत. बैनर्स चरकार, चंगी उपकरण (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की घाग 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ब्र) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) को अधिसूचना सं. 112(अ) तारीख 19 फरवरी, 1981 के अनुक्रम में यह घोषणा करता है कि नारेख 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्ण प्रकल्प एवं सभी मंत्रिशास्री, सम्पत्ति-दस्तावेज एवं करारो, व्यवस्थापनों, पंचांगों, स्थाया आदेशों द्वारा अन्य लिखता (उत्तमे भिन्न जा बैकों और विनियोग भंसारों के प्रतिभूत वायस्तों से संबंधित है) से प्रोटोकूल या उत्तमत हाँते वाले सभी वाध्यताश्रां और दायित्यां का जिनका उत्तर चंगी उपकरण या उत्तर चंगी उपकरण का स्वामी एक पक्षकार है या जो उत्तर चंगी उपकरण या ऐसे व्यक्ति

को लागू किए जा सकते हैं, प्रथमें 28 मार्च, 1982 में एक वर्ष की और अधिक के लिए जिम्मित रहेगा।

[का०आ० 13-1/82-प्रा० एम० यू०-प्र०]

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

## NOTIFICATIONS

New Delhi, the 25th March, 1982

S. O. 167 (E)—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Cauvery Sugar and Chemicals Limited, Cauvery Factory, manufacturing sugar at Pettaivaytalai in the district of Tiruchirapalli in the State of Tamil Nadu, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S. O. 112(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accuring or arising out of

all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owing the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13/1/82-NSU-G]

**का० आ० 168 (अ)**—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि अधिकारी शुगर मिल्स, जो उत्तर प्रदेश राज्य के रुशादबाद जिले में राजा का सहसपुर में चौनी का विनियोग कर रहे हैं, जो अधिकृतवान उपक्रम है के संबंध में, चौनी उद्योग में उत्पादन का मात्रा में न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है।

आत् केन्द्रीय सरकार, चौनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) का धारा 7 की उपधारा (2) के मात्र पठित उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त जटियों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिकृतवान मा० 110(प्र) तारीख 19 फरवरी, 1981 के अनुकम में यह घोषणा करते हैं। [का० तारीख 28 मार्च, 1980 के ठोक पूर्व प्रवृत्त ऐसी मभी सविदाओं, अप्पति हस्तान्तरण पत्रों, करारों, बारहापत्रों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोटूट या उद्भूत होने वाले उक्त चौनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षालार है या जो चौनी उपक्रम या ऐसे वर्षों की अवधि के लिए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की और अवधि के लिए नियम रखा रखा।

[फा० सं० 13-1/82-ए० ए० य० ए०]

**S.O. 168(E).**—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Ajudhia Sugar Mills, manufacturing sugar at Raja-ka-Sahaspur in the district of Muradabad in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O.106(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F.No.13-1/82-NSU-A]

**का० आ० 169 (अ)**—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि जाजामाता सहकारी शक्कार कारखाना लिमिटेड, जो महाराष्ट्र राज्य के बुलढाना जिले में शक्कार नगर में चौनी का विनियोग कर रहा है, जो अधिसूचित चौनी उपक्रम है, के संबंध में, चौनी उद्योग में उत्पादन की मात्रा में कभी न होने को दृष्टि से, सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है।

आत् केन्द्रीय सरकार, चौनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) के धारा 7 की उपधारा (2) के मात्र पठित उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त जटियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिकृतवान मा० 110(प्र) तारीख 19 फरवरी, 1981 के अनुकम में यह घोषणा करते हैं। [का० तारीख 28 मार्च, 1980 के ठोक पूर्व प्रवृत्त ऐसी मभी सविदाओं, अप्पति हस्तान्तरण पत्रों, करारों, बारहापत्रों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोटूट या उद्भूत होने वाली सभी वाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चौनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षालार है या जो चौनी उपक्रम या ऐसे वर्षों की अवधि के लिए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की और अवधि के लिए नियम रखा रखा।

[फा० सं० 13-1/82-ए० ए० य० ए० ए०]

**S. O. 169 (E)**—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Limited, manufacturing sugar at Shankarnagar in the district of Buldana in the State of Maharashtra, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over the Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S. O. 110 (E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 23rd July, 1930 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-NSU-E]

**का० आ० 170 (अ)**—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो गया है कि यह वह हुए न यह ग्राम निह शुरू भिन्न लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के लखनऊ जिले में तारीख 2 चू रुपीय कर रही है, जो कृषि विभाग (खाद्य विभाग) की अधिकृतवान मा० 107(प्र) तारीख 19 फरवरी, 1982 के अनुकम में यह घोषणा करते हैं कि तारीख 23 मार्च, 1980 के ठोक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सविदाओं, अप्पति हस्तान्तरण पत्रों, करारों, बारहापत्रों, पक्षालारों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोटूट या उद्भूत होने वाली सभी वाध्यताओं और दायित्वों का जिनका उक्त चौनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षालार है या जो चौनी उपक्रम या ऐसे वर्षों की लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की और अवधि के लिए नियमित रहेगा।

आत् केन्द्रीय सरकार, चौनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) को धारा 7 का उपधारा (2) के गाथ पठित उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त जटियों का राजा करते हुए, और भारत सरकार के कृषि विभाग (खाद्य विभाग) की अधिकृतवान मा० 107(प्र) तारीख 19 फरवरी, 1982 के अनुकम में यह घोषणा करते हैं कि तारीख 23 मार्च, 1980 के ठोक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सविदाओं, अप्पति हस्तान्तरण पत्रों, करारों, बारहापत्रों, पक्षालारों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोटूट या उद्भूत होने वाली सभी वाध्यताओं और दायित्वों का जिनका उक्त चौनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षालार है या जो चौनी उपक्रम या ऐसे वर्षों की लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की और अवधि के लिए नियमित रहेगा।

[फा० सं० 13-1/82-ए० ए० य० ए० ए०]

**S.O. 168(E).**—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Rai Bahadur Narain Singh Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Lhaksar in the district of Saharanpur in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 107(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-I/82-NSU-B]

का०आ० 171 (अ) — केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि था मौताम् शुभर कम्पनि लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया जिले में बैनालतुर में बना था, बनारस रु० ८० रु० के जा अधिसूचित बैंकों उक्तक है के बंध में, चैनी उद्योग में उच्चाइन का साक्षा में कमो त होने देने की दण्डि है, नर्मदा प्रारंग के हित में होना करना आवश्यक है।

अन केन्द्रीय सरकार, चौंके उत्तरा (उत्तर गढ़) अधिनियम  
1978 (1978 का 49) के प्रारंभ में उपवास (१) के रूप में नियमित  
स्थगिता (१) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों ने प्रभाव ले रहे हुए,  
और भारत सरकार के रूप में प्रधान (उत्तर गढ़) के पदोन्नयन  
संग १०८ (१) तरीके १० एवं १०३ के अनुसार में इन अधिकारों  
करने के लिए कि तारीख २५ मार्च १९७१, १३७ ई-पू-८८ में सभा  
संविधानों से पुनर हस्तान्तरण उठा, हाई और अवधारणा, राज्यों, संघ की  
मादिगों या सन्त्रिवादियों द्वारा दिया गया उत्तर वा उत्तर बहिर्भूत  
तारीखों योर दातेव्वों का जितन उत्तर चतुर्थ उत्तर वा उत्तर वाता  
उत्तकर का घटना परिवर्त है वा जो वात उत्तर या ऐसे व्यक्ति  
को लागू किए जा सकते हैं, प्रधान २४ मार्च, १९३२ में यह वर्ष को  
और अवधि के लिए नियमित रहेगा।

**S.O. 171(E).**—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shree Sitaram Sugar Company Limited, manufacturing sugar at Baitalpur in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production in the sugar industry.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 108(E), dated the 19th February, 1981, the

Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-N5U-C]

**कां० आ० 172 (अ)---** केन्द्रीय सरकार का यह मनाधन हो गया है कि देवरिण्या चैनी मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिण्या ज़िले में देवरिण्या में चैनी का विनियोग कर रहा है, जो अधिकृतित चैनी उत्पन्न करता है, के बचत में चैनी उत्पादन पर उपादान की भावा में करों न होने देने के दायित्व से, भर्तुलगाण के हित में ऐसा करना प्रारम्भ है।

उन केन्द्रीय सरकार, जो ने उपकरण (पब्लिक ग्राम) परिवर्तनम्, 1978 (1978 का 49) के धाय 7 के अधिकार (१) के रास्ते उत्थापन (1) के खड़ (ख) द्वारा प्रदत्त जोती ही का प्रयोग करने हुए, श्रीरामरामकार के कृष्ण भंगार (खाद्य विभाग) की अधिकूर्षवचन सं० 109 (प्र) तारेव्य 19 फरवरी, 1981 के पशुकर्म में यह घोषणा करनी है कि तारेख 28 मार्च, 1980 के उन पूर्ण प्रनत दोष सभी लंबिदारी, संपत्ति हस्तांतरण पक्व, करारी, व्यवस्थापनी, पक्वांग, आरोग्यदेवीय या अन्य लिखनों से प्रोटोकूल तें उद्भूत होने वाली नामे व्यञ्जनाओं और दायित्वों वा जिनका उक्त चीजें उपकरण या उत्थापन जो ने उपकरण का रवानी एक पक्षकार है या जो चीजें उपकरण या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1982 में एक बारे के श्रीराम अवधि के लिए निर्दिष्ट रहेगा।

फा० सं० १३-१/८२-एन० एस० या॒च०

**S.O.172(E).**—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Deoria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Deoria in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 109(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts assurances of property, agreements, settlements, award, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-NSU-D]

का० आ० 173 (अ)---केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि रैक्सरिया चौनी मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के गोंडा जिले में बहनाम में चौनी का विनिर्माण कर रही है, जो अधिकृत चौनी उपकरण है, के संबंध में, चौनी उद्योग में उत्पादन को मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना भाष्यकरक है।

**प्रतः केन्द्रीय सरकार, जीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के बड़ (ब) वाला प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) को अधिसूचना सं० III (अ) तारीख 19 फरवरी, 1981 के उपक्रम में यह घोषणा करती है कि तारीख, 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रदूष देशी यारों सावधारा, सपनि, हस्तान-रण पद्मों, करसों, अवस्थाराना, पश्चाटों, स्कार आदिशों द्वा० अन्य लिखितों (उनमें भिन्न जो दैत्यों ग्रीष्म वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिसूचन दराएँ तो से भवंधित हैं) से प्राप्तमूल या उद्भूत होने वाले नया वादालातों और शांदिलों का जिनका उक्त चर्चा उपक्रम या उक्त चर्चा उपक्रम का स्वाक्षर एक प्रकार है या जो चर्चा उपक्रम या उपक्रम को लागू किए जा सकते हैं, प्रकर्तन 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की ओर इकाई के लिए नियमित रहेगा।**

[फा० सं० 13-1/82-एन० एस० यू०-एच]

**S. O. 172 (E)**—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Seksaria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Babhnan in the district of Gonda in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section(1) read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S. O. 111 (E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-NSU-H]

**भा० आ० 173 (अ)**—केन्द्रीय सरकार का यह नियमान्वय हो गया है कि श्री केशोगयपाटन महाकारी शुगर मिल्स लिमिटेड, जो राजस्थान राज्य के छूटी जिले में केशोगयपाटन में चर्चा का विनियोग कर रही है, जो

अधिसूचित जीनी उपक्रम है, के संबंध में, जीनी उचित में उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से, मर्विंसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है।

**प्रतः केन्द्रीय सरकार, जीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण), अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के बड़ (ब) वाला प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) को अधिसूचना सं० 113(अ) तारीख 19 फरवरी, 1981 के दृढ़ता या नई प्राप्त या उपक्रम करते हैं कि तारीख 28 मार्च, 1980 के ठीक पूरे प्रकार दो नया गोदानपात्र, संरक्षित-हस्तान-रण पद्मों, करसों, अवस्थाराना, पश्चाटों, नया आदेश, जो अन्य लिखितों (उनसे भिन्न जो ईक्सों और नित्य सम्पत्तियों ने प्रतिशूल दायित्वों से संबंधित हैं) से प्राप्तमूल या उद्भूत होने वाले वर्षीय अन्यतात्मा और दायित्वों का जिनका उक्त चर्चा उपक्रम या उपक्रम का न्यायी एक प्रकार है या जो जीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्तियों को लागू किए जा सकते हैं, प्रकर्तन 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की ओर अधिकृत के लिए नियमित रहेगा।**

[फा० सं० 13-1/82-एन० एस० यू०-एच]

नी० एन० राघवन, संयुक्त भवित्व

**S. O. 173 (E)**—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shri Keshoraipatan Sakharai Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Keshoraipatan in the district of Bundi in the State of Rajasthan, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S. O. 113(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[F. No. 13-1/82-NSU-H]

(C. N. RAGHAVAN), Jt. Secy.